आर एल ए समाचार

आपकी आवाज आप तक

रामलाल आनंद महाविद्यालय, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग का प्रकाशन | सत्र 2017-18 | पृष्ठ 1-4

रामलाल आनंद महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का संदेश देते हुए शामिल हुए सिक्किम के विद्यार्थी (बाएं) और कुतबी ब्रदर्स के गायन ने युवाओं का जीता दिल (दाएं)

नेक्सप्लोरा के रंग में रंगा रामलाल आनन्द महाविद्यालय

दो दिवसीय उत्सव में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने किया प्रतिभाग, साथ ही प्रस्तुतियों से बिखेरी संस्कृति की छटा

आशुतोष मिश्रा

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित रामलाल आनन्द महाविद्यालय में 16 फरवरी को दो दिवसीय वार्षिक उत्सव 'नेक्सप्लोरा 2018' का आयोजन किया गया। इस उत्सव का शुभारंभ भरतनाट्यम की कलात्मक प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसका उद्घाटन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम के प्रथम दिन स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, रचनात्मक लेखन, हिंदी वाद–विवाद प्रतियोगिता, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें विभिन्न महाविद्यालयों से आये प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत सिक्किम से दिल्ली आए हुए करीब 50 प्रतिभागी इस वार्षिकोत्सव का आनंद उठाने पहुँचे। इसके साथ ही एक भारत श्रेष्ठ भारत के सहायक निर्देशक वीरेंद्र सिंह बोकन, नेहरू युवा केन्द्र के जिला युवा समन्वयक केएल पार्चा, सिक्किम प्रतिभागी प्रमुख डॉ. ए.के. यूम भी पहुँचे। इन सभी का स्वागत माला पहनाकर व तिलक लगाकर किया गया। सिक्किम से आये प्रतिभागियों ने नृत्य व गीत से क्षेत्रीय संस्कृति की छटा बिखेरी वहीं अनेकता में एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अगले सत्र में डीसीपी साउथ वेस्ट मोनिका भारद्वाज टीम के साथ पहुँचीं। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राकेश गुप्ता व कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुभाष चन्द्र डबास ने डीसीपी व उनकी टीम का स्वागत किया। पुलिस उपायुक्त ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को खासकर छात्राओं को दिल्ली पुलिस द्वारा दी जा रही सुरक्षा के बारे में बताया। साथ ही लड़कियों की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा तैयार की गई हिम्मत के बारे में जानकारी दी। उत्सव के प्रथम दिन का आकर्षण कुतबी ब्रदर्स सूफी गायकों के गीत रहे, जिनके गायन ने वहाँ मौजूद युवाओं का मन मोह लिया। महोत्सव के दूसरे दिन एकल नृत्य प्रतियोगिता, समूह नृत्य प्रतियोगिता, अंग्रेजी वाद–विवाद, प्रश्नोत्तरी, कार्टून मेकिंग व अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थी व दूसरे महाविद्यालयों से आये विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस दिन शाम को पंजाबी गायक द लैंडर्स ने अपने अंदाज में ही गीतों से समा बांध दिया। महोत्सव को सफल बनाने में संयोजक व छात्र संघ के सलाहकार डॉ. सुभाष चन्द्र डबास, कला एवं सांस्कृतिक समिति की संयोजिका डॉ. नीना मित्तल, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. देवेंद्र कुमार, डॉ. कुसुम रानी गुप्ता, डॉ. टीना जैन, डॉ. राकेश कुमार का भरपूर सहयोग रहा। इस अवसर पर शिक्षकगण व छात्र संघ के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की ओर बढ़ा कदम

लीशा

शारीरिक शिक्षा

महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से 2017–18 में स्वास्थ्य तथा फिटनेस की जागरूकता के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, जूडो आदि में बढ़–चढ़ कर भाग लिया। अध्यापन तथा गैर अध्यापन विभाग के लिए भी 'सभी के लिए खेल' उद्देश्य के तहत कई प्रतियो. गिताओं का आयोजन किया गया। नवंबर 2017 के पहले सप्ताह में फिटनेस टेस्टिंग कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें बीएमआई और बॉडी फैट परसेंटेज के मानकों के अनुसार विद्यार्थियों, शिक्षकों और महाविद्यालय कर्मचारियों का शारीरिक और मानसिक परीक्षण किया गया। इन सभी गतिविधियों को काफी सराहा गया।

रचनात्मक प्रतिभाओं को लाना है सामने

मोहम्मद खुशनूर खाँ

हिंदी साहित्य परिषद

हिंदी विभाग के तहत काम करने वाली हिंदी साहित्य परिषद का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के छात्रों की रचनात्मक प्रतिभाओं को उजागर करना है। इसी को ध्यान में रखकर शैक्षिक सत्र 2017–18 में परिषद की ओर से नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत रंगारंग कार्यक्रम के माध्यम से किया गया। परिषद की ओर से अभिनय और लेखन कला के प्रोत्साहन के लिए छात्रों के मौलिक लेखन व अभिनय संबंधी एक संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें हिंदी ऑनर्स द्वितीय वर्ष के छात्र किशन व रवि ने अभिनय कला में प्रथम स्थान, मोनिका व आदित्य ने लेखन कला में द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी भागीदारी को दर्ज किया। मीडिया क्षेत्र से संबंधित छात्रों के लिए रोजगार प्राप्त कराने के लिहाज से परिषद ने बालाजी टेली. फिल्म्स के सौजन्य से 'रोजगार के अवसर' नामक संगोष्ठी का आयोजन किया। इसी तरह परिषद ने 8 और 9 फरवरी को राष्ट्रीय नाट्य संगोष्ठी और कार्यशाला का आयोजन किया। प्रथम सत्र में नाटककार के रचना संसार के बारे में, दूसरे में नाटक के पठन–पाठन पर संक्षिप्त जानकारी दी गई। पहले दिन प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। हिंदी के शिक्षक डॉ. सुभाष डबास के साथ प्राचार्य ने अपनी उपस्थिति से मंच को सुशोभित किया। इस संगोष्ठी में नाटक. कार प्रो. नरेंद्र मोहन और डॉ. मीराकांत के अलावा नाट्य आलोचक प्रो. रमेश गौतम व प्रो. कुसुमलता मौजूद रहीं। अगले दिन नाट्य कार्यशाला हुई, जिसमें अभिनय से संबंधित जिज्ञासाओं का मार्गदर्शन मिला। इस कार्यशाला का आयोजन नाट्य निर्देशिका डॉ. रमा यादव के सानिध्य में हुआ। इसमें छात्रों को नाटककार के काल्पनिक संसार, स्पीच थेरेपी और मिरर एक्सरसाइज के बारे में अवगत कराने की पूर्ण कोशिश की गयी। परिषद संयोजिका डॉ. अर्चना गौड़ ने कार्यशाला में आये सभी लोगों का धन्यवाद–ज्ञापन किया।

शैक्षणिक यात्राओं के जरिए हासिल किए नए अनुभव

काजल

भू–विज्ञान

भू–विज्ञान विभाग के छात्र रहे नितिन झालानी और अजय ने 21 जुलाई 2017 को बीएससी के प्रथम छात्रों को भविष्य में क्या प्राप्त हो सकता है, इस बारे में सुझाव दिये। विभाग के विद्यार्थियों को 24 अगस्त 2017 को एम्फीथिएटर में परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय के वैज्ञानिक डॉ नीरू रावल और प्रदीप पांडे ने परमाणु ज्ञान से अवगत कराया। दोनों ही वक्ताओं को एमडी अन्वेषण में काम करने का अनुभव है। इसी तरह 22 सितम्बर 2017 को एम्फीथिएटर में ध्रुवीय विज्ञान पर आयोजन किया। प्रो एनजी प्रेंट और रघुराम ने वक्ता के तौर पर हिस्सा लिया। छात्रों को परियोजना कार्य व नए अनुभवों को सिखाने के लिए तीन शैक्षणिक भ्रमण करवाए गए, जिसमें शिक्षकों ने उनका मार्गदर्शन किया।

हिंदी पत्रकारिता व संगोष्ठी की ओर से आयोजित अम्बेडकर स्मारक व्याख्यान प्रो. सतीश देश पांडे ने दिया

केन्द्र में रहा गंभीर बहस–मुबाहिसा

आरएलए समाचार ब्यूरो

हिंदी, हिंदी पत्रकारिता

हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता विभाग ने सत्र 2017–18 में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया। हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से 'नया मीडिया अवसर और चुनौतियां' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 25 अगस्त 2017 को किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता थे वरिष्ठ पत्रकार सतीश कुमार सिंह। प्राचार्य डॉ. राकेश गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में सतीश कुमार सिंह के योगदान को रेखांकित किया। विभाग के प्रभारी डॉ. राकेश कुमार ने विषय का प्रवर्तन किया तो मुख्य वक्ता ने मीडिया के क्षेत्र में अवसरों तथा उसकी चुनौतियों पर चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुभाष चंद डबास ने किया तो संचालन छात्रा शालू शुक्ला ने किया।

29 सितम्बर 2017 को हिंदी दिवस के अवसर पर नेहरू युवा केंद्र और हिंदी विभाग के तत्वावधान में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया।

शेष पृष्ठ 3 पर...

आरएलए समाचार का नया रूप

डॉ. राकेश कुमार

आरएलए समाचार एक नए रंग–रूप में आपके सामने प्रस्तुत है। यह नया रूप इस पूरे महाविद्यालय की गतिविधियों का परिचय देता है। पिछला एक वर्ष विभिन्न गतिविधियों से सुसज्जित रहा है। लगभग हर विभाग एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहा था। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य एक तरफ तो विद्यार्थियों को ज्ञान और अनुसंधान के नए क्षेत्रों की जानकारी उपलब्ध कराना होता है, साथ ही साथ विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारना भी। इन कार्यक्रमों में विभिन्न ज्ञानानुशासनों के विद्वानों ने भाग लिया और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। हमेशा यह होता आया था कि कॉलेज की इन महत्वपूर्ण गतिविधियों की जानकारी कॉलेज से जुड़े विद्यार्थी, शिक्षक और अन्य सहयोगी तो पा लेते थे परंतु विश्वविद्यालय स्तर पर इन गतिविधियों की कोई रिपोर्टिंग नहीं होती थी। इससे कॉलेज की उपलब्धियां विश्वविद्यालय स्तर पर बहुत कम पहुँच पाती थी तो सोचा गया कि कैसे इन उपलब्धियों को कॉलेज के बाहर अन्य संस्थानों तक पहुंचाया जाये तो ख्याल आया कि क्यों न आरएलए समाचार को इसका माध्यम बनाया जाए। जब प्राचार्य जी से इस बात को साझा किया गया तो उन्होंने इसकी सहर्ष अनुमति दे दी। हमारे विद्यार्थियों के लिए यह एक नया अनुभव था। अभी तक की परिपाटी के अनुसार वे अपने आस पास की घटनाओं की ही रिपोर्टिंग किया करते थे। नए प्रारूप में हमारे विद्यार्थी कॉलेज की विभिन्न गतिविधियों में रिपोर्टर की भांति सक्रिय रह कर सूचनाएं एकत्र करते हैं। एक अंतर और यह रहेगा कि अब यह समाचार पत्र विश्वविद्यालय के अन्य कॉलेज में भी भेजा जाएगा। आशा करता हूं कि आप सभी को यह नया प्रारूप पंसद आएगा।

शैक्षिक क्षेत्र में रामलालजी का योगदान अमूल्य

उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ वकील रामलाल आनंद के नाम पर बना रामलाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रतिष्ठित कॉलेज है। रामलाल आनंद ट्रस्ट ने इस महाविद्यालय की नींव सन् 1964 में रखी थी। इसके बाद 1973 में यह महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के अधीन हो गया। महाविद्यालय की नींव का पहला पत्थर दिल्ली के ग्रीन पार्क में रखा गया। तत्पश्चात महाविद्यालय को रामलाल आनंद ट्रस्ट ने बेनितो जुआरेज रोड पर स्थानांतरित कर दिया। कुछ कक्षाओं से शुरू होने वाला यह महाविद्यालय दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर के इतनी जल्दी दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस का एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय बन जाएगा, यह उम्मीद शायद रामलाल आनंद जी ने भी नहीं की होगी। अरावली की पहाड़ियों पर स्थित 10 एकड़ में फैले इस महाविद्यालय के भवन को उम्दा वास्तुकारों ने बनाया है। सदाबहार फूलों से सुगंधित महाविद्यालय का वातावरण, बड़े–बड़े अशोक के पेड़ों पर खेलती हवा और धूप की किरणें व पूरे महाविद्यालय में हर साल बढ़ते पेड़ों के परिवार में सदस्यों की संख्या महाविद्यालय की खूबसूरती को चार चाँद लगाते हैं। महाविद्यालय में 1500 से अधिक विद्यार्थी 80 से अधिक शिक्षकों के मार्गदर्शन में अध्ययनरत हैं। विद्यार्थियों के सामाजिक व शैक्षणिक विकास के लिए महाविद्यालय की शानदार आधारभूत संरचना, जिसमें विभिन्न संगोष्ठियों के आयोजन के लिये सेमिनार रूम, प्रयोगों के लिए प्रयोगशालाएं, विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के लिए खेल का

श्रेया उत्तम

मैदान और एम्फीथिएटर है। डिजिटल लाइब्रेरी का कार्य प्रगति पर है तो पौष्टिक खाद्य सामग्री से भरपूर कैफेटेरिया है। 14 विषयों में शिक्षा प्रदान करने वाले इस महाविद्यालय में माइक्रोबायोलॉजी विषय की शिक्षा देने का गौरव पूरे दक्षिण परिसर में सिर्फ रामलाल आनंद कॉलेज को ही प्राप्त है। समाज को उन्नति के पथ पर अग्रसर करने के लिए एनसीसी के बहुत ही बेहतरीन व समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयत्नशील कार्यकर्ता, एनएसएस के जोश और जुनून से भरपूर देश की सेवा के लिए तत्पर युवा कैडेट्स इस महाविद्यालय परिवार का हिस्सा हैं। विश्वविद्यालय के मुख्य दक्षिण परिसर में स्थित रामलाल आनंद महाविद्यालय परिवार के लिए यह बहुत ही गर्व का विषय है कि हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार व जिओलॉजी विषय के यूनिवर्सिटी टॉपर्स महाविद्यालय के छात्र ही हैं। इसके साथ–साथ महाविद्यालय के विद्यार्थी विभिन्न इंटर कॉलेज व इंटर यूनिवर्सिटीज स्तर पर वाद–विवाद, फोटोग्राफी, डांस, लेखन, काव्य, क्विज प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करके कॉलेज का नाम रोशन करते हैं। रामलाल आनंद जी ने जिन उद्देश्यों को प्रमुख स्थान देते हुए युवाओं के उज्ज्वल भविष्य व उनके विकास के लिए महाविद्यालय की नींव रखी थी, उनका यह प्रयास सार्थक हो रहा है और महाविद्यालय के विद्यार्थी उनके आदर्शों पर चलते हुए महाविद्यालय को दिन–प्रतिदिन उन्नति के पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं। इस तरह शिक्षा के क्षेत्र में रामलाल आनंद जी के किए गए योगदान से लाभान्वित हो रहे हैं।

गांधी के विचारों का प्रचार-प्रसार

अनुज कुमार यादव

महाविद्यालय में 16 अक्टूबर 2017 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके संयोजक इतिहास विभाग के शिक्षक डॉ. देवेन्द्र कुमार थे। उन्होंने गांधी स्टडी सर्किल समिति में शामिल सभी साथियों के साथ मिलकर दो दिवसीय प्रतियोगिता को सफल बनाया। दो दिवसीय कार्यशाला में गांधीजी के जीवन एवं विचारों को विद्यार्थियों के साथ साझा किया गया। प्रतियोगिता में अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। पुरस्कृत किए गए विद्यार्थियों में आयुषी नेगी, अंजली सिंह, ध्रुव आदि शामिल रहे। गांधीजी के विचारों पर केन्द्रित इस आयोजन में डॉ. सुभाष चन्द्र डबास, डॉ.अर्चना गौड़, डॉ. राजेन्द्र सिंह, डॉ. राजेश गौतम की मौजूदगी रही। समिति के सदस्य डॉ. कृष्ण गोपाल त्यागी ने सवाल–जवाब किया। उसके बाद प्रजेंटेशन में हिंदी विभाग की शिक्षिका डॉ. अर्चना गौड़ निर्णायक की भूमिका में रहीं।

गांधी स्टडी सर्किल

समिति ने 27 एवं 28 फरवरी 2018 को निबंध प्रतियोगिता और संगोष्ठी का आयोजन किया। दोनों आयोजनों में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने सक्रियता से भाग लिया। संगोष्ठी में गांधीजी के विचारों को जीवन के बारे में अपनाने पर जोर दिया गया तो निबंध प्रतियोगिता में जीतने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार पाने वाले विद्यार्थियों में चांदना, शिवपाल और मंगला शामिल रहे। संगोष्ठी में दिल्ली विवि के संस्कृत विभाग के डॉ. रमेश भारद्वाज ने गांधीजी से जुड़े अनेक पहलुओं पर बात की और विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। समिति से जुड़े आयोजनों में प्राचार्य डॉ. राकेश गुप्ता ने खासी दिलचस्पी ली। साथ ही सदस्यों को भविष्य में भी इस तरह के आयोजन करने पर जोर दिया।

पर्यावरण संरक्षण का प्रयास

प्रज्ञा सैनी

कॉलेज की इको क्लब समिति के सदस्यों और विभिन्न विषयों से जुड़े 30 से अधिक स्वयं सेवकों ने विद्यार्थियों के बीच प्रदूषण से पर्यावरण की रक्षा करने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। स्वच्छता कमेटी की मदद से क्लब ने कचरे के पृथक्करण के लिए अलग–अलग जगहों पर कॉलेज में कचरा निपटान और रीसाइक्लिंग डिब्बे लगाए। इको क्लब के सदस्यों ने 20 सितंबर 2017 को एक अपशिष्ट प्रबंधन जागरूकता ड्राइव का आयोजन किया था, जहां सामान्य निकाय कॉलेज के कचरे को अलग करने की सही पद्धति के बारे में जानकारी दी गई थी। 27 सितंबर को पारिस्थितिकी क्लब द्वारा सेमिनार आयोजित किया, जिसका विषय 'पोषण परीस्थितिकी, मानव व्यवहार और संरक्षण' था, जिसमें वरिष्ठ पत्रकार भारत डोगरा, दिल्ली विवि के डॉ. मयंक कुमार और तमन्ना शर्मा वक्ताओं के रूप में मौजूद थीं। इस सेमिनार में विभिन्न कॉलेज और छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए आमंत्रित किया गया। छात्रों ने प्रकृति के संरक्षण और कार्बन पदचिन्ह, एक परिष्कृत परिप्रेक्ष्य प्राप्त करने वाले छात्रों को पारिस्थितिकी को कैसे प्रभावित करते हैं, जैसे विषयों पर वक्ताओं के साथ चर्चा की। सेमिनार में आए वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए एक पौधे को उपहार के रूप में दिया गया। प्राचार्य डॉ. राकेश गुप्ता ने वक्ताओं द्वारा दिए गए कीमती समय के लिए उनका धन्यवाद किया और छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए और प्रेरित किया।

इको क्लब

पत्रकारिता के विद्यार्थी दिखा रहे अपना हुनर

महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थी बड़े उत्साह के साथ अलग–अलग प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहते हैं। अपने कौशल का परिचय देते हुए ये विद्यार्थी प्रतियोगिताओं में पुरस्कार भी हासिल करते हैं। विभाग की द्वितीय वर्ष की छात्राएं श्रेया उत्तम और अपूर्वा सिंह वाद–विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लेती रहती हैं। इस जोड़ी ने महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए जानकी देवी महाविद्यालय व भगवान परशुराम प्रौद्योगिकी संस्थान में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अपूर्वा ने आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार जीता। हाल ही में आयोजित हुए उड़ान उत्सव में भी इन विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसमें श्रेया उत्तम ने कविता गायन में प्रथम और रचनात्मक लेखन में तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि अपूर्वा सिंह ने शब्द पाण्डित्य में और प्रीति ने कार्टून प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार जीता। इसके अलावा भी श्रेया ने अनेक कॉलेजों की विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार पाकर अपनी योग्यता का परिचय दिया। विभाग के विद्यार्थियों का आकर्षण नृत्य, नाटक आदि कलाओं की तरफ भी है। हाल में रामानुजन कॉलेज में हुए नाटक 'हिन्दू कोड बिल' में अहम भूमिका निभाने के लिए द्वितीय वर्ष के छात्र अर्पित पुरुषोत्तम, मो. गुफरान अहमद व जतिन शर्मा पुरस्कृत किए गए। इसी वर्ष की महिमा जोशी व तृतीय वर्ष की दीपाली ने महाविद्यालय की 'हशरतें' सोसाइटी की ओर से दिल्ली ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों में प्रस्तुतियां के जरिए ध्यान खींचा और पुरस्कार जीते। विवेकानंद महाविद्यालय में नृत्य के लिए जयदीप को पुरस्कार मिला। महाविद्यालय में रेडियो मिर्ची की ओर से आयोजित प्रतियोगिता

शादाब खान

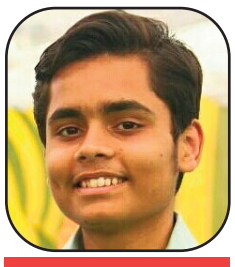

'मिर्ची फ्रेशर्स' में पवन तिवारी ने मिस्टर फ्रेशर्स का खिताब जीता। लेखन व फोटोग्राफी में भी छात्रों की विशेष रुचि है। 'अनऑल्टर्ड ऐनेकडोट्स' नामक ई–बुक में प्रथम वर्ष की छात्रा प्रज्ञा सैनी की कहानी चुनी गई वहीं द्वितीय वर्ष के पवन मिश्रा को श्री गुरुनानक देव खालसा महाविद्यालय में रिपोर्ट लेखन के लिए प्रथम पुरस्कार मिला। तीसरे वर्ष के छात्र आशीष दत्त तो अखबारों में लेखन के लिए पहचाने जाने लगे हैं। सौरभ मिश्रा की अनेक जगह पर कविताएं प्रकाशित होकर प्रशंसित हो चुकी हैं। तीसरे वर्ष के सचिन कश्यप को आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय में फोटोग्राफी प्रतियोगिता जीतने पर प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया तो इसी साल के अनेक विद्यार्थी पासआउट होने के पहले ही नौकरी में जा चुके हैं।

कुछ इस तरह विदा हो रहा यह शैक्षिक सत्र

सत्र 2017–18 अपने अंतिम पड़ाव पर है। महाविद्यालय परिसर में इस सत्र की परीक्षाओं की तैयारी जोरों पर है। इसके साथ ही नया सत्र भी दस्तक देगा, लेकिन जाते हुए इस सत्र को जब हम मुड़कर देखते हैं तो महाविद्यालय परिसर में हुए अनेक सकारात्मक बदलाव हमे नजर आते हैं। फिर चाहे वो वह परिसर में हुए कुछ भौतिक बदलाव हों या फिर विद्यार्थियों में हुए बौद्धिक या भावनात्मक बदलाव हों।

ज्यों–ज्यों सत्र अपने अंतिम पड़ाव की ओर आगे बढ़ा त्यों–त्यों विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर में सुधार कार्य और अपने चारित्रिक विकास के लिए नए नए सुअवसर प्राप्त हुए। स्वच्छता अभियान से शुरू हुआ यह साल कैश तो कैशलेस, योगासन, सेल्फ डिफेंस की वर्कशॉप से होते हुए ब्लड डोनेशन कैम्प जैसे उत्साहपूर्ण कार्यक्रमों से लबालब रहा। एक सुरक्षित और देखभाल वातावरण बनाने से लेकर पानी और खाने की गुणवत्ता जैसे सभी मुद्दों पर बारीकी से ध्यान दिया गया।

सफलता की शुरुआत शिक्षा से ही होती है और शिक्षा का मुद्दा हर साल उठता है। कहते हैं अगर नींव मजबूत हो तो मुकाम को आसानी से हासिल किया जा सकता है। लर्निंग के लेवल को ऊंचा उठाने के लिए विभिन्न सेमिनारों का आयोजन, लाइब्रेरी टाइमिंग को बढ़ाना और कंप्यूटरीकृत वातानुकूलित लाइब्रेरी का निर्माण हुआ जिसके सुखद परिणाम आने की उम्मीद है।

अपूर्वा सिंह

विद्यार्थियों की क्षमताओं को सशक्त करने, उन्हें एक मंजिल देने और उनको विकसित करने की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्लेसमेंट सेल को सक्रिय किया गया ताकि उनके चहुंमुखी विकास और उनके भविष्य को सुगम्यता मिले। मेधावी छात्रों के लिए इस बार इंटर्नशिप फेयर भी करवाया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। महाविद्यालय की विभिन्न सोसाइटी सक्रिय हुईं ताकि विभिन्न योग्यताओं को सभी स्तरों पर महत्व दिया जाए और यह सुनिश्चित किया गया कि प्रतिभावान विद्यार्थियों को अलग न किया जाए और उनकी प्रतिभाओं को एक सकारात्मक दिशा दी जाए। हिंदी वाद–विवाद समिति 'आरोह' और फोटोग्राफी समिति का गठन किया गया। इसी संदर्भ में कॉलेज के विद्यार्थियों ने दूसरे कॉलेजों में हुई अनेक प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विभिन्न पुरस्कार जीतकर कॉलेज के नाम में चार चांद लगाए। नया छात्रसंघ अपने विद्यार्थियों की प्रगति और विकास में दिलचस्पी रखता है। अक्सर विद्यार्थियों से बात करना, उनका नेतृत्व करते हुए अच्छे अभ्यास का प्रतिरूपण करते हुए व विद्यार्थियों की सहायता करते हुए अपने काम में गहरी रुचि व हर विभाग के एक प्रतिनिधि के साथ हर महीने की बैठक यह सुनिश्चित करती है कि शैक्षिक स्टाफ और छात्र दोनों ही निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल हों।

विद्यार्थियों को उनका सर्वोत्तम कार्य प्रदर्शन करने और गुणवत्तापूर्ण काम करने की दिशा में पत्रकारिता के छात्रों के लिए मीडिया लैब में और स्टेटिक छात्रों के लिए नए उपकरणों को भी मंगवाया गया। स्वच्छता को लेकर जागरूक करने के लिए गर्ल्स कॉमन रूम में सेनेट्री नैपकिन वेंडिंग मशीन, सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए महाविद्यालय परिसर में सीसीटीवी लगवाना, विशेष विद्यार्थियों के लिए आने–जाने के लिए उचित निर्माण कराना और इसी संदर्भ में लिफ्ट का भी काम चल रहा है ।

समस्यायों का समाधान करने उनके सामान्य जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लेने में और उनके चारित्रिक विकास में सहायता करने के लिए हर 15 बच्चों पर एक अनुभवी परामर्शदाता रखा गया है। महाविद्यालय में हो रही प्रत्येक गतिविधि विद्यार्थियों के लिए सीखने के ऐसे लक्ष्य निश्चित करती है जो उनकी निजी जरूरतों को प्रतिबिंबित करते हुए उन्हें उपयुक्त ढंग से चुनौती देती है।

कक्षाएं, कार्यालय, प्रयोगशालाएं, कक्षा के उपकरणों को तरजीह दी जा रही है, जो प्रत्येक विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा देने को प्रयासरत है और नई उमंग के साथ इसके लिए काम भी चल रहा है। आगामी सत्र के लिए भी अभी से ही शिक्षक, विद्यार्थी, प्रशासन सभी कार्यरत हैं। बदलावों और अवसरों के बीच यह सत्र सुखद और आयुष नौटियाल के जाने के दुखद समाचार जैसे सभी पड़ावों से गुजरा।

'हसरतें' सोसाइटी के सदस्य महाविद्यालय में अपनी एक प्रस्तुति देते हुए...

'पर्दा' फिल्म सोसाइटी के सदस्य पूरे सत्र के दौरान अपनी गतिविधियों को लेकर सक्रिय रहे...

अनोखी पहचान के लिए जाने जाते हैं ये कलाकार

पवन मिश्रा

महाविद्यालय की 'हसरतें' नाटक सोसायटी ने 18 अगस्त को वार्षिक ऑडिशन लिया, जिसमें 250 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस पूरी प्रक्रिया के बाद 32 का चयन किया गया। इस सत्र में 'हसरतें' ने अनेक नाटक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। उसने

कलात्मक कृतियों से सबका मन मोहा

कृति

कंप्यूटर साइंस विभाग ने 'रीसेंट ट्रेंड्स इन मशीन ट्रांसलेशन' विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका आधार मशीन ट्रांसलेशन का भूत, वर्तमान एवं भविष्य था। मुख्य अतिथि के रूप में डीन जेएनयू के. लोबियल मौजूद थे। उन्होंने अपने वक्तव्य में डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग, मूल्यांकन, विकास अथवा कम्प्यूटर शब्दकोश से जुड़े हुए कई विषयों पर

कंप्यूटर साइंस

बात की। अंत में विद्यार्थियों ने उनसे अनेक प्रश्न भी किए। प्रौद्योगिकी को अधिक व्यवस्थित एवं सर्वप्रायोगिक बनाने के उद्देश्य के साथ चार सितंबर 2017 को एक प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रौद्योगिकी कचरे से कलाकृति का निर्माण करना था। सभी विभागों के छात्रों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और अनेकानेक सुंदर एवं कलात्मक कृतियों की रचना कर अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

एनएसएस एसआरसीसी के साथ शून्य नाटक किया, जिसमें उसे तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी तरह साहित्य कला परिषद की ओर से आयोजित महाविद्यालय नाट्य समारोह में भी हसरतें ने हिस्सा लिया। इस नाटक का विषय 'स्वर्ण–युग' था। इसे श्रीराम सेंटर में 15 अगस्त को मंचित किया गया। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने हसरतें के इस नाटक को काफी सराहा।

हसरतें

इसी तरह 3 जनवरी 2018 को पुणे थियटर ग्रुप द्वारा आयोजित नाट्य समारोह में भी हसरतें की टीम ने हिस्सा लिया। गुवाहाटी के कल्चरल फेस्टिवल में हसरतें ने अपनी

सेमिनार और शैक्षिक यात्रा से विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन

अमरेश कुमार

माइक्रोबायोलाजी विभाग ने 22 सितंबर 2017 को अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव और प्रौद्योगिकी संस्थान पर एक दिवसीय सार्वजनिक आगमन कार्यक्रम में भाग लिया। तृतीय वर्ष के दो विद्यार्थियों ने इंटर कॉलेज वाद विवाद प्रतियोगिता मे तीसरा पुरस्कार जीता। इसी साल के छात्रों ने प्रगति मैदान में 29 से 31 अगस्त 2017 को चिकित्सा, कृषि, पशु जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान के आयोजन में हिस्सा लिया। इसी कड़ी में 6 नवंबर को डॉ. रितु शर्मा ने विषय से जुड़े अनेक पहलुओं पर बातचीत की तो डॉ. सिद्धार्थ ने ड्रग फॉर बग्स आदि की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। विभाग ने 18 से 21 जनवरी 2018 तक चार दिवसीय उदयपुर का फील्ड ट्रिप आयोजित किया। इसी तरह तुलनात्मक

माइक्रोबायोलॉजी

विश्लेषण करने के लिए 2 फरवरी 2018 को एक दिन का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया इसमें अनेक विद्वानों ने शिरकत की। डॉ. समंत पुरी ने एक टॉक शो किया, जिसमें 85 छात्रों और 8 फैकेल्टी सदस्यों की सहभागिता रही। दो शिक्षकों के साथ विभाग के कुछ छात्रों ने 22 सितंबर 2017 को अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव पर विज्ञान प्रौद्योगिकी संस्थान के सेमिनार में हिस्सा लिया। इंटर कॉलेज स्पर्धा में प्रतियोगियों को बायोटिक विज्ञान क्लब प्रतियोगिता का दौरा कराने का अवसर दिया, जिसमें तृतीय वर्ष के छात्रों ने चिकित्सा कृषि जैव सूचना विज्ञान सत्र में भाग लेने का अवसर मिला। विभाग के अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा वैज्ञानिक वार्ता इंटरेक्टिव सत्र का आयोजन किया था। छात्रों को सेमिनार और शैक्षिक ट्रिप से काफी कुछ सीखने को मिला।

गतिविधियों से भरपूर रहा यह सत्र

कृति

सांख्यिकी विभाग के लिए यह सत्र अत्यधिक गतिविधियों वाला रहा। सत्र की शुरुआत 11 अगस्त को नए मेहमानों के स्वागत से हुई। 25 अगस्त को विभागीय चुनाव में छात्रों के एक दल को नेतृत्व का उत्तरदायित्व सौंपा गया। विभाग ने 23 अक्टूबर को विश्व सांख्यिकी दिवस मनाने के साथ स्टैटिक्स सोसाइटी के लोगो और नाम की घोषणा की, जिसे

सांख्यिकी

अंग्रेजी की छात्रा राशी ने डिजाइन किया था। 'क्या तेलों के गिरते दाम अर्थशास्त्र व्यवस्था के लिए अच्छा है' विषय पर वाद विवाद का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विभाग ने एलुमिनी टॉक का आयोजन किया तो शिक्षक संकाय के 16 शिक्षकों ने डॉ. मुक्ता मजूमदार एवं राकेश सचदेव द्वारा समन्वित आईटी वर्कशॉप में प्रतिभाग किया।

पर्दा के जरिए चर्चा–परिचर्चा में स्वागत है

विशाल त्रिपाठी

पर्दा ने इस सत्र में शिवम वर्मा की अध्यक्षता में कार्यक्रमों की शुरुआत की, जिसमें सचिव नितिन वशिष्ठ, वित्त सचिव अदिति अलोंग, सदस्य स्वाति और ऋषभ जैन ने भी सहयोग दिया। उपाध्यक्ष त्रिपुरारी कश्यप, विपिन, सौरभ, दिव्या और गौतम के सहयोग पर्दा की टीम ने रोचक फिल्मों की स्क्रीनिंग करने का फैसला किया, जिसके तहत फिल्म सोसायटी ने १८ अगस्त को फीचर फिल्म 'जाने भी दो यारों' को दिखाया। इसी कड़ी में फिल्म 'खुदा के लिए' की स्क्रीनिंग की गई थी। सोसाइटी ने विभिन्न कॉलेजों से आये विद्यार्थियों से 'क्या इस्लाम आतंकवाद को प्रसारित करता है' जैसे विषय पर प्रमुख सवालों के साथ एक बातचीत की। तत्पश्चात एक शार्ट फिल्म बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर छात्रों के विचार प्राप्त किये गए। इसमें 'ट्रस्ट' (रिज्ज्वल पांडेय बीएससी), 'कॉलेज' (कौशिक प्रसाद और अरिजीत दस बीएससी) और 'शहीदों' (शालू, सचिन और अविजीत बीजेएमसी) को पुरस्कृत किया गया। संयोजक डॉ. प्रज्ञा देशमुख, सह संयोजक डॉ. शची मीणा सहित अनेक शिक्षकों ने आयोजनों में सहयोग किया।

फिल्म सोसाइटी

सशक्त नारी बनाने के सिखाए गए गुर

विभा कुमारी

गैर सरकारी संगठन 'महिला शक्ति संघ' और दिल्ली पुलिस के सहयोग से 18 से 22 सितंबर 2017 तक पांच दिवसीय आत्मरक्षा पाठ्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। प्रत्येक दिन के व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ–साथ पाठ्यक्रम महिला सुरक्षा के विभिन्न विषयों पर केंद्रित रहा। प्रथम दिन की प्रस्तुति साइबर अपराध और महिलाओं की सुरक्षा पर रही। इसमें आभासी दुनिया के साथ व्यस्तता, सुरक्षा से संबंधित समस्याओं और महिला संबंधित मुद्दों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। व्यावहारिक सत्र ने न केवल लड़कियों को संकट के समय के लिए तैयार किया अपितु उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया।

महिला वेलफेयर

यहां... कुशल वक्ता तैयार किए जाते हैं

आर्या सुमन

हिंदी वाद–विवाद समिति आरोह द्वारा 7 फरवरी को आयोजित अन्तः महाविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रवि कुमार तथा किशन सरोज को मिला, वहीं दूसरा स्थान पवन कुमार व ऋतुज दत्त तथा तृतीय स्थान दीपक त्रिवेदी व कात्यायनी तिवारी को प्राप्त हुआ। सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार अफरीदी व हितेश को प्राप्त हुआ। आरोह समय–समय पर छात्रों को तर्कक्षमता बढ़ाने व उन्हें कुशल वक्ता के तौर पर तैयार करने हेतु ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती रहती है, जिससे छात्रों का हौसला बढ़ता है। आरोह की अन्य उपलब्धियों में श्रेया उत्तम व अपूर्वा ने श्रीराम इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एवं जानकी देवी कॉलेज में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

हिंदी वाद–विवाद

जीवन रूपी पथ में कॅरियर के साथ सेवा भावना भी

अभिषेक कुमार राय

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने हर साल की तरह इस बार भी प्रवेश के दौरान सेवा भावना के तहत महाविद्यालय में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। महाविद्यालय एनएसएस श्रेणी के तहत दिल्ली विवि में छात्रों के लिए एनएसएस परीक्षण की मेजबानी भी की। प्रारंभिक परीक्षण 18 जून से 20 जून 2017 तक हुए। साथ ही 5 जुलाई 2017 को अंतिम परीक्षण एनएसएस की दिल्ली विवि की संयोजिका डॉ. परमिंदर सहगल के निर्देशन में किया गया। इसमें विद्यार्थियों को एनएसएस की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। तत्पश्चात 160 से अधिक विद्यार्थियों ने एनएसएस में कार्य करने की रुचि जाहिर की।

राष्ट्रीय सेवा योजना

रामलाल आंनद महाविद्यालय की एनएसएस अधिकारी डॉ. प्रेरणा दीवान ने एनएसएस के पुनर्गठन पर चर्चा करने के लिए 10 जुलाई 2017 को केंद्रीय खेल मंत्री विजय गोयल के साथ बैठक में भाग लिया था।

इस सत्र में एनएसएस ने कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें लेखन, पोस्टर मेकिंग, निबंध लेखन आदि शामिल थीं। इसके साथ ही कई अभियान चलाए गए, जिसमें स्वच्छता अभियान, एक भारत श्रेष्ठ भारत, पौधरोपण आदि शामिल है। महाविद्यालय के स्वयं सेवकों ने दूसरे संस्थानों में जाकर भी अभियान चलाए। इसी कड़ी में 6 फरवरी 2018 को कॉलेज में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। एनएसएस यूनिट ने साउथ मोतीबाग के नजदीकी स्लम बस्ती को स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विभिन्न जागरूक कार्यक्रम करने के लिए अपनाया है।

प्रश्नोत्तरी के लिए ज्ञान की जोर–आजमाइश

आशुतोष मिश्रा

इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी के तत्वावधान में 27 नवंबर को अन्तः महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे साहित्य के उत्साही प्रेमियों को एक साथ लाने और विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान को दिखाने का एक मौका दिया गया।

इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी

सोसायटी की संयोजिका डॉ. उर्वशी कुहड़ ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों मे किया गया था। प्रथम चरण बहुविकल्पीय प्रश्न, दूसरा चरण इंटरप्रिटेशन राउंड था तो अंतिम चरण के लिए मतदान किया गया। यह रैपिड फायर राउंड था। अंतिम दौर में पहुचे प्रत्येक प्रतिभागियों से चार–चार प्रश्न पूछे गए, जिसका सभी प्रतिभागियों ने जवाब दिया। इस वजह से सबके अंक बराबर थे। अंत मे तीन फाइनल प्रतिभागियों से एक–एक प्रश्न और पूछा गया। तत्पश्चात विजेताओं को घोषित किया गया। इसमें इंग्लिश विभाग के छात्र अंकित मलिक ने प्रथम पुरस्कार, निवनील ने द्वितीय पुरस्कार तो शिवम वर्मा ने तृतीय पुरस्कार जीता। सभागार में उपस्थित कई दर्शकों को भी जवाब देने के लिए कई पुरस्कार वित. रित किये गए। पुरस्कार वितरण के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता विजेताओं का आत्मबल बढ़ाने के लिए मौजूद रहे। प्रतियोगिता को सफल बनाने में सोसायटी के सदस्यों ने जी–तोड़ मेहनत की थी तो वहीं शिक्षकों और सहयोगियों का भी भरपूर योगदान रहा।

पृष्ठ 1 का शेष... केन्द्र में गंभीर बहस–मुबाहिसा

विषय था 'हमारा समय और हिंदी'। इसमें आशुतोष मिश्रा, श्रेया उत्तम व हितेश कुमार ने पुरस्कार जीता। इस आयोजन विभाग के विद्यार्थी महेन्द्र कुमार की सक्रिय भूमिका रही। 26 अक्टूबर 2017 को हिंदी विभाग की ओर से विद्यार्थियों के लिए दलितों के सामाजिक उत्पीडन और शोषण पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री 'द अनटचेबल इंडिया' का प्रदर्शन भी किया गया। पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए विभाग ने डॉ. अटल तिवारी के मार्गदर्शन में समाचार पत्र के लेआउट तथा हिंदी टाइपिंग पर विशेष कार्यशालाओं का भी आयोजन किया। इसी तरह 25 नवंबर 2017 को हिंदी में विज्ञान और विज्ञान की हिंदी विषय पर आयोजित सेमिनार में वैज्ञानिक कुलदीप शर्मा और देवेंद्र मेवाड़ी ने अपने अनुभवों से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। इसका संचालन तपन सिंह और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अर्चना गौड़ ने किया। विभाग के विद्यार्थियों ने इस वर्ष एबीपी समाचार चैनल की यात्रा की। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र के अनुसन्धान को जानने के विद्यार्थी हरियाणा के चिड़ाना स्थित डाबर आयुर्वेट के शोध संस्थान भी गये। अंत में हिंदी पत्रकारिता विभाग ने 'संगोष्ठी' के साथ मिलकर 12 अप्रैल 2018 को प्रथम अम्बेडकर स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसे दिल्ली विवि के प्रोफेसर डॉ. सतीश देश पांडे ने 'अम्बेडकर और आधुनिकता' विषय पर दिया। प्राचार्य ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया तो विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने उनके काम के बारे में बताया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉ. शची मीणा ने किया तो धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संजय कुमार शर्मा ने अपने अंदाज में किया।

संविधान के विभिन्न पक्षों से परिचित हुए विद्यार्थी

ऋतुज दत्त राय

महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने हर साल की भांति सत्र 2017–18 में भी अपने विचारशील भावनाओं को रखा। इसके तहत समकालीन मुद्दों पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत राज्यसभा टीवी की ओर से प्रस्तुत वृत्तचित्र 'संविधान' की विशेष प्रस्तुति से हुआ, जिसे प्रख्यात फिल्म निर्माता श्याम बेनेगल ने निर्देशित किया है। इस वृत्तचित्र को दो दिन की अवधि में 10 खंडों में बांट कर प्रस्तुत किया गया। साथ ही इसमें दिखाए गए विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों के बीच विचार–विमर्श भी हुआ।

राजनीति विज्ञान

विभाग ने अगले आयोजन के रूप में विमुद्रीकरण मुद्दे पर खुली बहस आयोजित की। इसके जरिए छात्र–छात्राओं ने सामूहिक रूप से इस राष्ट्रव्यापी मुद्दे के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। सरकार की इस पहल पर पक्ष और विपक्ष की ओर से रखे गए तर्कों ने इस चर्चा को तर्कसंगत बनाने में योगदान दिया।

'गोपनीयता के अधिकार' जैसे मसले पर भी विभाग की ओर से आयोजन किया गया। इस पर आयोजित खुली चर्चा में छात्र–छात्राओं के साथ– साथ विभाग के विभिन्न सदस्यों ने भी व्यापक चर्चा की। महाविद्यालय की एलुमनाइ कमेटी के साथ एक नई पहल के रूप में विभाग मौजूदा और भूतपूर्व छात्रों के बीच लगातार विचार–विमर्श सत्रों का आयोजन कर रहा है ताकि वर्तमान में जो छात्र महाविद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं और भूतपूर्व छात्र जो जेएनयू, डीयू, आईआईएमसी, जामिया जैसे संस्थानों से उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं उनके बीच लगातार बातचीत और पहचान बनी रहे। भूतपूर्व छात्रों को इसीलिए विभिन्न कार्यक्रमों के तहत आमंत्रित किया जाता रहा है ताकि महाविद्यालय के छात्र उनसे मिलें और उनका अनुभव जान सकें।

दूसरे कॉलेजों को जोड़कर नए अनुभव से गुजरे

शादाब खान

वाणिज्य विभाग का यह शिक्षा सत्र एक अहम पड़ाव के साथ शुरु हुआ। इस सत्र की शुरुआत में कोर टीम के लिए बैलट पेपर से चुनाव हुए। इस पूरी प्रक्रिया को लोकतांत्रिक तरीके से करते हुए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, उपसचिव और कोषाध्यक्ष का चुनाव किया गया। हालांकि माहौल चुनावी चहल पहल का था, मगर छात्र–छात्रओं ने अनुशासन और शालीनता दिखाते हुए इस प्रक्रिया में भारी संख्या में भाग लिया।

वाणिज्य

इस प्रक्रिया से जिस कोर टीम का चयन हुआ उसने अतिरिक्त समय देकर दिल्ली विश्वविद्यालय के दूसरे महाविद्यालयों के साथ एक साझा मंच बनाने का काम किया। वर्तमान में जिन महाविद्यालयों की सोसाइटी के साथ महाविद्यालय के इस विभाग की सोसाइटी का गठबंधन हैं, उनके नाम हैं–मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, आर्यभट्ट महाविद्यालय, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, देशबंधु महाविद्यालय और शहीद भगत सिंह महाविद्यालय। महाविद्यालय के छात्र नियमित तौर पर किताबी पढ़ाई–लिखाई के साथ इन सोसाइटी की ओर से कराई गई प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों में भाग लेते रहते हैं। इससे उन्हें आवश्यक अनुभव प्राप्त होता है।

छात्र–छात्राओं को अतिरिक्त शिक्षा देने के इरादे से विभाग ने 31 अक्टूबर 2017 को सोनीपत, हरियाणा में स्थित याकूल्ट कारखाने की यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा के तहत छात्रों ने कारखाने की कार्यप्रणाली को समझा। इसके अलावा छात्रों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों के बीच सवाल– जवाब का एक सत्र हुआ, जिसके बाद छात्रों ने इस व्यवसाय में रोजगार अवसरों की पड़ताल की। इस तरह यह सत्र अध्यापकों और छात्रों दोनों के लिए चुनौतीपूर्ण एवं मजेदार रहा, जिसमें उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला।

विषय के साथ दूसरे मुद्दों से भी करा रहे परिचित

ऋतुज दत्त राय

दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्देशों का पालन करते हुए राम लाल आनंद महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने मौजूदा सत्र में 61 विद्यार्थियों का दाखिला स्वीकार किया, जिसमें 34 छात्र सामान्य वर्ग, 13 ओबीसी वर्ग, 8 पिछड़ा, 5 अति पिछड़ा और एक विदेशी छात्र भी शामिल है।

अंग्रेजी

विभाग में ऐसे शिक्षक शामिल हैं जो कि उभरते साहित्य ब्लैक लिटरेचर, वीमेन राइटिंग, साइंस फिक्शन और दलित लिटरेचर जैसे विषयों में विशेषज्ञता हासिल किए हैं। यह विभाग केवल निर्धारित विषय तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों को समकालीन सामाजिक, राजनीतिक और साहित्यिक दुनिया से भी परिचित कराता है। विभाग का संबंध विद्यार्थियों के साथ केवल वर्ग में पढ़ाई तक ही नहीं है बल्कि इसके अलावा यह विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका तय करता है।

विभाग की गतिविधियों को सक्रियता से संचालित करने के लिए साहित्यिक विभाग में कुछ प्रतिनिधि चुने गए हैं–जैसे अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष जो विभाग की ओर से आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों और आयोजनों का ध्यान रखते हैं। पिछले साल इस विभाग में 68 विद्यार्थियों का दाखिला हुआ था, जिसमें 33 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी, 24 द्वितीय श्रेणी से तथा बाकी विद्यार्थी तृतीय श्रेणी से पास हुए। यहां के विद्यार्थियों ने पड़ोस के अन्य महाविद्यालयों जैसे आर्यभट्ट, मोतीलाल नेहरू, मोतीलाल नेहरू (इवनिंग), वेंकटेश्वर, आत्मा राम सनातन धर्म से बेहतरीन प्रदर्शन किया। अंग्रेजी का यह विभाग अभी युवा है क्योंकि इसके बहुत सारे शिक्षक हाल ही के वर्षों में नियुक्त किए गए हैं। फिर भी हम आशा करते हैं कि आने वाले वर्षों में यह विभाग संस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पहले पायदान पर ही दिखा उत्साह

आरएलए समाचार ब्यूरो

गणित विभाग की शुरुआत शैक्षणिक सत्र 2017–18 में हुयी तो पहले सेमेस्टर में 39 विद्यार्थियों का प्रदर्शन बहुत ही अच्छा रहा। लगभग 60 फीसदी छात्रों ने आठ सीजीपीए से ज्यादा अंक प्राप्त किए। विभाग ने प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता के साथ 27 अक्टूबर 2017 को विशेष बा. तचीत का सत्र आयोजित किया।

इस एक घंटे के सत्र में प्राचार्य ने छात्रों के सभी सवालों के जवाब देकर उनके मन में उठ रही अनेक जिज्ञासाओं को शांत किया। साथ ही

मैथमेटिक्स

शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शुरू हुए इस विभाग के विकास के लिए क्या सराहनीय कदम उठाए जा सकते हैं, जैसे तमाम पहलुओं पर चर्चा की। गणित विभाग की अपनी संस्था ने इस साल पहली बार अपना वार्षिक आयोजन इम्प्लोजन 18 के नाम से किया, जिसमें अनेक महत्वपूर्ण वक्ताओं ने हिस्सा लिया। इन वक्तव्यों के साथ ही विभिन्न प्रतियोगी कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसमें पेपर प्रस्तुति से लेकर अनेक तरह की प्रतियोगिताएं भी रखी गईं। इसमें विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और पुरस्कार जीता।

इतिहास विभाग की ओर से शैक्षणिक यात्रा पर गए विद्यार्थियों ने थकान महसूस की तो अपने शिक्षकों के साथ कुछ पल यूं भी गुजारे...

इतिहास के हर पहलू से रूबरू कराने पर जोर

शादाब खान

महाविद्यालय का इतिहास विभाग अपने छात्रों को इतिहास के हर पहलू से रूबरू कराना चाहता है। इसी विचार से 'तवारीख', जो इस विभाग की इतिहास सोसाइटी है, ने विद्यार्थियों को कक्षा की चारदीवारों से बाहर की दुनिया से जोड़ने का प्रयास करती है। सोसाइटी समय समय पर इतिहास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर संगोष्ठियों का आयोजन करती है जिसमें विख्यात विशेषज्ञ आकर अपना वक्तव्य देते हैं। इससे छात्र–छात्राओं को इतिहास के क्षेत्र में हो रहे नित नए प्रयोगों और अनुसंधानों के बारे में पता चलता है।

हाल ही में सोसाइटी ने एक संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसका विषय था 'पेलाजियस परम्परा को समझना : नफरत और हिंसा के समय में प्रेम की भाषा के रूप में सूफीवाद'। इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में सोसाइटी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग से डॉ रजिउद्दीन अकील को आमंत्रित किया था। यह संगोष्ठी काफी ज्ञानवर्धक रही और साथ ही छात्रों ने अपनी जिज्ञासा दिखाते हुए अपने सवाल पूछे, जिनका उन्हें सन्तोषजनक जवाब भी मिला।

इतिहास

इसी तरह सोसाइटी छात्रों को ऐतिहासिक स्थलों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी देने के लिए नियमित रूप से 'हेरिटेज वॉक्स' का भी आयोजन करती है। सोसाइटी ने 1 नवम्बर 2017 को छात्रों के लिए ऐतिहासिक लाल किले की यात्रा का आयोजन किया था। इसमें 40 छात्र–छात्राएं और सात स्टाफ सदस्य गए थे। यहां छात्रों को लाल किले की शिल्प–विधा सम्बंधी तकनीकों के बारे में बताया गया। विभाग ने हेरिटेज एवम् टूरिज्म मैनेजमेंट नामक ऐड–ऑन कोर्स शुरू करने की पहल की है। इस कोर्स के अंतर्गत छात्रों को इस क्षेत्र के रोजगार अवसरों के बारे में बताया जाएगा। विभाग इस तरह के प्रयासों से छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की आशा करता है।

कॉरपोरेट जगत तक युवाओं की पहुंच

लीशा

मैनेजमेंट स्टडीज विभाग की ओर से 30 अक्टूबर 2017 को 'कॉरपोरेट जगत तक युवा एवं जिज्ञासु मस्तिष्क की पहुंच' विषय पर सेमिनार का किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर प्रणव भाटिया और सचिन बिरला को आमंत्रित किया गया। प्रणव भाटिया स्टिररिंग माइंड तथा जिगेदु लर्निंग सलूशन प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक है। साथ ही ह्यूमन इंटरेक्शन प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर भी हैं। प्रणव जी ने एक नए उद्यम की शुरुआत के

मैनेजमेंट स्टडीज

लिए मूलभूत जरूरतों तथा नए उद्यम में सामने आने वाली कठिनाइयों को उजागर करते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। साथ ही बाजार में फर्स्ट–मूवर का लाभ बताते हुए विद्यार्थियों को सकारात्मक मार्ग दिखाया। सेमिनार के दूसरे मुख्य वक्ता सचिन बिरला, जो राष्ट्रीय वित्तीय बाजार संस्था के सदस्य हैं, ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ट्रेडिंग विषय पर अपने विचार प्रकट करते हुए प्राथमिक तथा द्वित्तीय बाजार में व्यापार के लिए आवश्यक जरूरतों को समझते हुए उसकी प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला।

पढ़ाई–लिखाई के बीच मानसिक तनाव भी करते रहे दूर

केशव कुमार झा

तीसरे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय की योग और ध्यान समिति की ओर से 19 जून से 21 जून 2017 तक तीन दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें भारी मात्रा में शिक्षकों, गैर–शिक्षकों, विद्यार्थियों सहित एन.सी.सी. कैडेट भी शामिल हुए। औसतन 60 प्रतिभागियों ने रोजाना इस कार्यक्रम में शिरकत की।

आयुष मंत्रालय की ओर से बनाई गई सीडी की प्रदर्शनी योग कार्यक्रम के दौरान वार्ता एवं जानकारी का माध्यम रही, जो योग प्रशिक्षक दीपक सैनी एवं उनके सहयोगियों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से पेश की गई। विद्यार्थियों ने और भी कई योग कार्यक्रमों में भाग लिया, जिनमें 2 सितंबर को हुई राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता भी शामिल है। इसमें कुल आठ विद्यार्थियों ने तीन अलग–अलग आयोजनों में भाग लिया, जिनमें कलात्मक जोड़ी, मुक्त प्रवाह योग नित्य, लयबद्ध जोड़ी प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

योग और ध्यान समिति

महाविद्यालय की ओर से विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के लिए रविजी को प्रशिक्षक के तौर पर रखा गया। योग और ध्यान समिति की ओर से 22 सितंबर 2017 को 'माइंड मैनेजमेंट' की कार्यशाला के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बतौर स्पीकर पिंक मल्होत्रा एवं शम्मी ने शिकरत की, जो 'जीवन जीने की कला' के प्रशिक्षक के रूप में जाने जाते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को ध्यान के महत्व से अवगत कराया तथा किस प्रकार मानसिक दवाब, नकारात्मकता, तनाव से छुटकारा पाकर सफलता की चाभी पाई जा सकती है, इस पर उनका मार्गदर्शन किया। इसके उपरांत सभी प्रतिभागियों ने मिलकर भस्त्रिका प्राणायाम और ध्यान का लुत्फ उठाया। देखा जाए तो यह कार्यक्रम बेहद ही सफल रहा, क्योंकि शिक्षकों और विद्यार्थियों ने इसमें बढ़–चढ़ के भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राओं ने अनेक प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किये। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने भी इन सभी कार्यक्रमों में भाग लिया। 34 विद्यार्थियों तथा 15 शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद जब विद्यार्थियों से पूछा गया तो ज्यादातर विद्यार्थी इस कार्यक्रम को लेकर खुश दिखे और इसकी समय अवधि बढ़ाने की मंशा जताई। इस तरह 10 नवम्बर 2017 को एक और कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें औसतन 15 छात्रों ने प्रतिदिन अपनी उपस्थिति दर्ज कराई तथा उन्हें कई प्रकार के आसनों को करना सिखाया गया। इसमें सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, विरिक्षासन, वज्रासन, भद्रासन, उष्ट्रासन, शशांकासन, हलासन तथा प्राणायाम भी सिखाये गए। इसमें अनुलोम–विलोम, शीतली, ब्रह्मारी प्राणायाम शामिल हैं। इन सभी के साथ–साथ ध्यान की मदद से मष्तिस्क को शांत करना भी सिखाया गया। यह छात्रों के लिए एक यादगार कार्यक्रम रहा तथा उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम होने की इच्छा जाहिर की।

आरएलए समाचार संरक्षक मंडल

प्राचार्य
डॉ. राकेश कुमार गुप्ता

विभागाध्यक्ष
डॉ. राकेश कुमार

परामर्शदाता
डॉ. अटल तिवारी

संपादक
अभिषेक कुमार राय

सहायक संपादक
शोभित श्रीवास्तव